6

0331CH06

बीरबल की खिचड़ी

सुनें कहानी

अकबर के दरबार में अनेक विद्वान् थे। बीरबल उन्हीं में से एक थे। वे अपनी चतुराई के लिए बड़े प्रसिद्ध थे। अपनी चतुराई से वे बादशाह को भी हरा देते थे। अकबर और बीरबल के बारे में अनेक कहानियाँ प्रसिद्ध हैं। लोग उन्हें बड़े चाव से सुनते-सुनाते हैं।

एक बार की बात है। अकबर किसी गाँव से होकर जा रहे थे। सर्दी के दिन थे। गाँव के लोग आग जलाकर, उसके चारों ओर बैठे बातें कर रहे थे। जब बादशाह अपने साथियों के साथ वहाँ पहुँचे तो एक व्यक्ति कह

© NCERT not to be republished

रहा था कि मैं यमुना के पानी में रातभर खड़ा रह सकता हूँ।

अकबर को इस बात का विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने उस व्यक्ति से कहा कि यदि तुम सारी रात पानी में खड़े रहो तो मैं तुम्हें थैलीभर मोहरें इनाम में दूँगा। वह मान गया।

अगली रात वह व्यक्ति यमुना के ठंडे जल में पूरी रात खड़ा रहा। प्रातः वह बादशाह के दरबार में आया।

बादशाह ने आश्चर्य से पूछा, "तुम इतनी सर्दी में सारी रात पानी में कैसे खड़े रहे?"

उसने नम्रता से उत्तर दिया, "महाराज, आपके राजमहल से दीपक का प्रकाश आ रहा था। मैं उसे देखते हुए सारी रात पानी में खड़ा रहा।"

बादशाह ने कहा, "तो तुम मेरे दीपक की गरमी के कारण ही सर्दी से बच सके। तुम्हें कोई इनाम नहीं दिया जाएगा।"

वह बहुत दुखी हुआ और उदास होकर चला गया। उस समय बीरबल भी दरबार में उपस्थित थे। उन्होंने सोचा इस दुखी व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 47 09-Apr-24 12:28:52 PM

दूसरे दिन बीरबल दरबार में नहीं आए। अकबर को चिंता हुई कि कहीं बीरबल बीमार तो नहीं पड़ गए। उन्होंने बीरबल को बुलावा भेजा। बीरबल ने कहलवाया कि मैं खिचड़ी पका रहा हूँ, पक जाने पर दरबार में उपस्थित हो जाऊँगा।

अगले दिन बीरबल को फिर दरबार में न देखकर बादशाह ने कुछ सोचा। फिर वे बोले, "चलो, स्वयं ही चलकर देखें कि बीरबल कैसी खिचड़ी पका रहे हैं।"

जब बादशाह बीरबल के यहाँ पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एक बहुत लंबे बाँस के ऊपरी सिरे पर एक हाँडी लटकी हुई है। हाँडी से बहुत नीचे भूमि पर बहुत थोड़ी-सी आग जल रही है। बादशाह ने हैरानी से पूछा, "बीरबल! भला यह खिचड़ी कैसे पक सकती है? हाँडी तो आग से बहुत दूर है।"

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 48 09-Apr-24 12:28:53 PM

बीरबल ने उत्तर दिया, "हुज़ूर अगर वह व्यक्ति राजमहल के दीपक की गरमी के सहारे सारी रात ठंडे पानी में खड़ा रह सकता है तो इस आग से मेरी खिचड़ी क्यों नहीं पक सकती?"

अकबर को बात समझ में आ गई। उन्होंने दूसरे दिन उस व्यक्ति को दरबार में बुलाया और बड़े सम्मान के साथ उसे मोहरों की थैली भेंट कर दी।

बातचीत के लिए

1. आप सर्दी को कम करने के लिए क्या-क्या उपाय करते हैं?
2. अपने द्वारा किए गए सबसे कठिन काम का अनुभव बताइए।
3. आपके अनुसार पकाने के लिए बर्तन से आग कितनी दूर होनी चाहिए?
4. क्या आपने कभी खिचड़ी खाई है? क्या आपको पता है कि इसे कैसे बनाया जाता है?

Unit 2 46 to 79.indd 49 09-Apr-24 12:28:54 PM

सोचिए और लिखिए

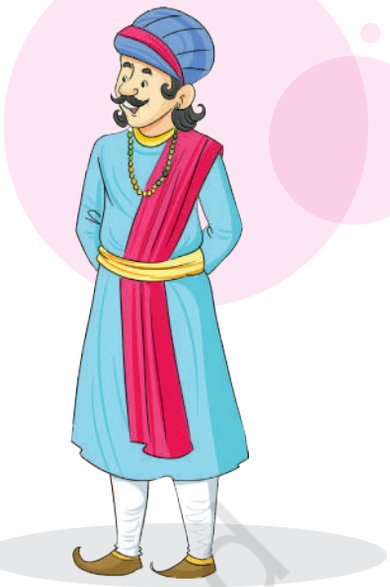

1. बीरबल किसलिए प्रसिद्ध थे?
2. वह व्यक्ति पूरी रात पानी में कैसे खड़ा रहा?
3. बादशाह को उस व्यक्ति की बात पर क्यों आश्चर्य हुआ?
4. बादशाह ने अगले दिन उस व्यक्ति को इनाम क्यों नहीं दिया?
5. बीरबल ने उस व्यक्ति की सहायता कैसे की?

भाषा की बात

1. पढ़िए, समझिए और चिह्नित शब्दों के विपरीत शब्द लिखिए।

जब बादशाह बीरबल के यहाँ पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एक लंबे बाँस के ऊपरी सिरे पर एक हाँडी लटकी हुई है। हाँडी से बहुत नीचे भूमि पर बहुत थोड़ी-सी आग जल रही है। बादशाह ने हैरानी से पूछा, "बीरबल! भला यह खिचड़ी कैसे पक सकती है? हाँडी तो आग से बहुत दूर है।"

उदाहरण – लंबे – छोटे

..... – ..... , ... – .....

..... – ..... , ... – .....

2. वाक्य को सही करके लिखिए—

उदाहरण – अकबर के दरबार अनेक विद्वान् थे।

अकबर के दरबार **में** अनेक विद्वान् थे।

(क) अकबर और बीरबल के बारे अनेक कहानियाँ प्रसिद्ध हैं।

.....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 50 09-Apr-24 12:28:55 PM

(ख) गाँव लोग आग जलाकर, उसके चारों और बैठे बातें कर रहे थे।

.....

(ग) उन्होंने सोचा इस दुखी व्यक्ति सहायता करनी चाहिए।

.....

(घ) बीरबल कहलवाया कि मैं खिचड़ी पका रहा हूँ, पक जाने पर दरबार में उपस्थित हो जाऊँगा।

.....

3. वर्ग पहेली में खाने की वस्तुएँ ढूँढ़कर उन पर घेरा लगाइए—

व	ड़ा	इ	छा	छ	सां
दो	सा	ड	ढा	बा	भ
खा	ना	ली	छो	ले	र
रा	ज	मा	चा	व	ल
दा	ल	बा	टी	क	ढ़ी
पा	य	स	चू	र	मा

कहानी की बात

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
"तुम इतनी सर्दी में सारी रात पानी में कैसे खड़े रहे?"	.....	.....
"चलो, स्वयं ही चलकर देखें कि बीरबल कैसी खिचड़ी पका रहे हैं?"	.....	.....

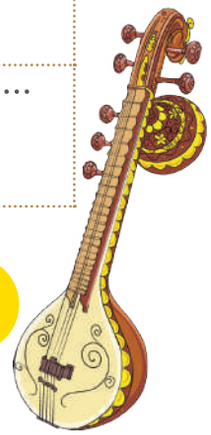

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 51 16-Apr-24 3:25:17 PM

जीवों एवं वस्तुओं की विशेषताएँ

ध्यानपूर्वक पढ़िए व समझिए—

(क) लंगूर की पूँछ लंबी है।

(ख) वह लाल गुलाब है।

(ग) चिड़िया छोटी है।

(घ) बस का आकार बड़ा है।

1. ऊपर दिए गए वाक्यों को आपने भली प्रकार समझ लिया है। अब दिए गए वाक्यों में विशेषता बताने वाले शब्द भरिए—

मीठा साहसी अच्छा हरी लंबा

(क) पीहू एक ..... लड़की है।

(ख) गौरव अपने साथियों में सबसे ..... है।

(ग) पेड़ की पत्तियाँ ..... हैं।

(घ) अदम्य एक ..... लड़का है।

(ङ) आम बहुत ..... है।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 52 09-Apr-24 12:28:57 PM

2. नीचे लिखे शब्दों में से जो सही शब्द हैं, उनमें रंग भरिए—

(क)

सूबह

सुबह

(ख)

वर्षा

वरसा

(ग)

सवेरा

सुवेरा

(घ)

सुझ-भूझ

सूझ-बूझ

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 53 09-Apr-24 12:28:57 PM

आइए कुछ बनाएँ

1. आइए, आज एक स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं, जिसका नाम है— चटपटी भेलपूरी।

इसके लिए आपको जो सामग्री चाहिए, वह है—

- मुरमुरे (एक कटोरी)
- बारीक कटा प्याज (एक छोटा)
- बारीक कटा टमाटर (एक छोटा)
- बारीक कटा खीरा (छोटा टुकड़ा)
- बारीक कटी हरी मिर्च (आधी)
- नीबू का रस (आधा)
- नमक (स्वाद के अनुसार)
- चाट मसाला (छोटा आधा चम्मच)
- अमचूर (एक चुटकी)
- धनिया पत्ती (सजावट के लिए)

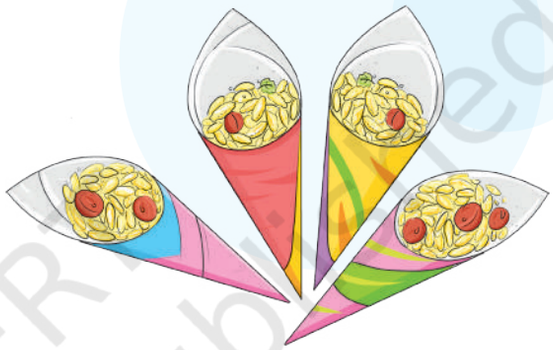

इनको मिलाइए और चटपटी भेलपूरी बाँटकर आनंद से खाइए।

पता कीजिए

1. इस कहानी में यमुना नदी का जिक्र किया गया है। भारत की कुछ और नदियों के बारे में पता कीजिए और नाम लिखिए—

यमुना	गंगा
.....	.....
.....	.....
.....	.....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 54 09-Apr-24 12:29:00 PM

झटपट कहिए

चार छाते छाते चार
चारों चक्कर खाएँ
चार चार के आठ
आठ के चार
चक्कर खाएँ चारम चार

आइए सुनें कहानी

बीरबल की तरह एक और विद्वान् तेनालीराम भी अपनी चतुराई के लिए बहुत प्रसिद्ध थे। उनके बारे में पता कीजिए और उनके किस्से पढ़कर कक्षा में अपने साथियों को सुनाइए।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 55 09-Apr-24 12:29:00 PM

7 मित्र को पत्र

0331CH07

प्रिय मित्र अभिषेक,

नमस्ते!

आशा है कि तुम और परिवार में सभी सकुशल होंगे और गरमी की छुट्टियों का आनंद ले रहे होंगे।

मैं अपनी छुट्टियाँ मनाने अपने नाना-नानी के घर गुवाहाटी आया हुआ हूँ। गुवाहाटी भारत के पूर्वोत्तर प्रदेशों का प्रवेश-द्वार है। यह एक बहुत सुंदर और विशाल महानगर है जो ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है।

तुम्हें यह जानकार आश्चर्य होगा कि ब्रह्मपुत्र इतनी विशाल नदी है कि इसमें माजुली नाम का एक बहुत बड़ा द्वीप भी है। यह नदी में स्थित भारत का सबसे बड़ा द्वीप है। माजुली में असम के विश्वप्रसिद्ध वैष्णव मठ 'सत्र' में हमने सत्रिया नृत्य देखा। यह भारत के शास्त्रीय नृत्यों में से एक है।

गुवाहाटी नगर के समीप नीलांचल पर्वत पर कामाख्या देवी का मंदिर स्थित है। यहाँ पूरे भारत से श्रद्धालु दर्शन करने

© NCERT not to be republished

के लिए आते हैं। हम लोग पिछले गुरुवार को वहाँ दर्शन करने गए थे। हम उमानंद मंदिर भी गए थे। यहाँ पहुँचने के लिए नाव से जाना पड़ता है और थोड़ा पैदल भी चलना पड़ता है।

पैदल चलते हुए नानी ने मुझे बताया कि स्वस्थ रहने के लिए खेलना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन रहता है। इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद भी बहुत आवश्यक है। मैंने नानी को तुरंत बताया कि मैं तो अपने मित्रों के साथ बहुत सारे खेल खेलता हूँ। हम लोग कितने आनंद से खो-खो, पिट्ठू, क्रिकेट और फुटबॉल खेलते हैं। खेल की बात सोचते ही मुझे तुम्हारी याद आने लगी।

मैं तुम्हें यहाँ के बहुत सारे अनुभव सुनाना चाहता हूँ। जल्द ही लौटूँगा।

शेष शुभ है। बड़ों को प्रणाम।

तुम्हारा मित्र

रूपम

शिक्षण-संकेत – असम का कामाख्या देवी का मंदिर एक महत्वपूर्ण शक्तिपीठ है। असम में पैदा हुए संत शंकरदेव भारत के महापुरुषों में से एक हैं। पाठ को पढ़ाते हुए अध्यापक विद्यार्थियों से इनके संबंध में विस्तार से बताएँ।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 57 09-Apr-24 12:29:03 PM

बातचीत के लिए

1. रूपम ने किसे पत्र लिखा और उसमें क्या लिखा है?
2. पत्र के अनुसार रूपम अपनी गरमी की छुट्टियाँ बिताने कहाँ गया हुआ है?
3. आप अपनी गरमी की छुट्टियाँ बिताने कहाँ गए थे? बताइए।
4. शारीरिक श्रम के बारे में रूपम की नानीजी ने उसे क्या सलाह दी?

सोचिए और लिखिए

1. इस पत्र से गुवाहाटी नगर के बारे में आपको क्या-क्या जानकारी मिली?
2. शारीरिक श्रम करना क्यों आवश्यक है? क्या आप प्रतिदिन कोई शारीरिक श्रम करते हैं?
3. पत्र के अनुसार रूपम और अभिषेक कौन-कौन से खेल खेलते हैं?
4. आपको कौन-कौन से खेल खेलना पसंद हैं? सूची बनाइए और लिखिए।

भाषा की बात

1. आपने जो पत्र पढ़ा, उसमें कुछ खेलों के नाम आए हैं। आप और भी अन्य खेलों के नाम जानते और उन्हें खेलते होंगे। नीचे दी गई वर्ग पहेली में कुछ खेलों के नाम ढूँढ़िए और लिखिए—

का	क्रि	वॉ	रा	पि	जा
गु	के	ली	नी	ट्	कि
फु	ट	बॉ	ल	ठू	ब
डा	हु	ल	खो	हॉ	की
बु	या	य	खो	न	त
ओ	गि	ल्	ली	डं	डा

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 58 09-Apr-24 12:29:05 PM

....

....

2. क्या आपके घर अथवा विद्यालय में कोई अन्य खेल भी खेले जाते हैं? उनके नाम नीचे लिखिए—

....

....

3. पत्र में 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों का प्रयोग हुआ है।

- 'त्र' संयुक्त अक्षर त् और र के मेल से बनता है।
- 'श्र' संयुक्त अक्षर श् और र के मेल से बनता है।

अब आप पत्र में 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों के प्रयोग से बने शब्दों को ढूँढ़कर नीचे लिखिए। आप अपनी सोच से भी 'त्र' तथा 'श्र' संयुक्त अक्षरों के प्रयोग से बने नए शब्द लिख सकते हैं।

'त्र' वाले शब्द	'श्र' वाले शब्द
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 59 09-Apr-24 12:29:05 PM

4. शब्द लड़ी बनाइए— जैसे 'घर' में अंतिम वर्ण 'र' है तो अगली कड़ी में 'र' से 'रस्सी' लिखा है। अब आप इस शब्द लड़ी को पूरा कीजिए।

घर

रस्सी

5. पत्र में आए निम्नलिखित शब्दों में से नाम वाले शब्द (संज्ञा) ढूँढ़कर उनमें अपनी पसंद का रंग भरिए।

उदाहरण – नगर, पर्वत, रूपम आदि।

मैं	नानी	अभिषेक	बड़ा
ब्रह्मपुत्र	भारत	देखा	नीलांचल
खेलना	पिट्ठू	गुवाहाटी	हम

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 60 09-Apr-24 12:29:05 PM

थोड़ा और जानिए

1. भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में आठ प्रदेश हैं। ये अपनी प्राकृतिक सुंदरता और विविध परंपराओं हेतु प्रसिद्ध हैं। ये आठ प्रदेश हैं—

असम, मेघालय, मणिपुर, सिक्किम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा

कक्षा में अपने सहपाठियों और शिक्षक के साथ पूर्वोत्तर प्रदेशों पर चर्चा कीजिए।

2. इस पत्र में आपने गुवाहाटी स्थित दो मंदिरों के बारे में पढ़ा है—

उमानंद मंदिर

कामाख्या देवी मंदिर

आपके राज्य में भी कुछ प्रमुख धार्मिक स्थल होंगे। ऐसे स्थानों के बारे में अपने घर के सदस्यों से जानकारी प्राप्त कीजिए और कक्षा में सबको बताइए।

© NCERT not to be republished

खेल गीत

समूह में खेले जाने वाले बहुत से खेलों के साथ सामूहिक रूप से गीत या तुकबंदियाँ गाई जाती हैं, जैसे कि 'हरा समंदर गोपी चंदर'। ऐसे ही कोई दो गीत गाइए और लिखिए—

.....

.....

.....

.....

इन्हें भी जानिए

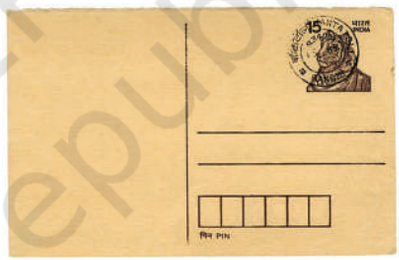

शिक्षण-संकेत – विद्यार्थियों से अंतर्देशीय पत्र, पोस्टकार्ड, डाक टिकट, लिफाफे आदि के बारे में बातचीत कीजिए। उन्हें बताइए कि पहले इनका कितना अधिक उपयोग किया जाता था। विद्यार्थियों को भी इनके उपयोग के लिए प्रोत्साहित कीजिए।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 62 09-Apr-24 12:29:10 PM

८ चतुर गीदड़

0331CH08

एकांकी

(पहला दृश्य)

(स्थान – तालाब का किनारा)

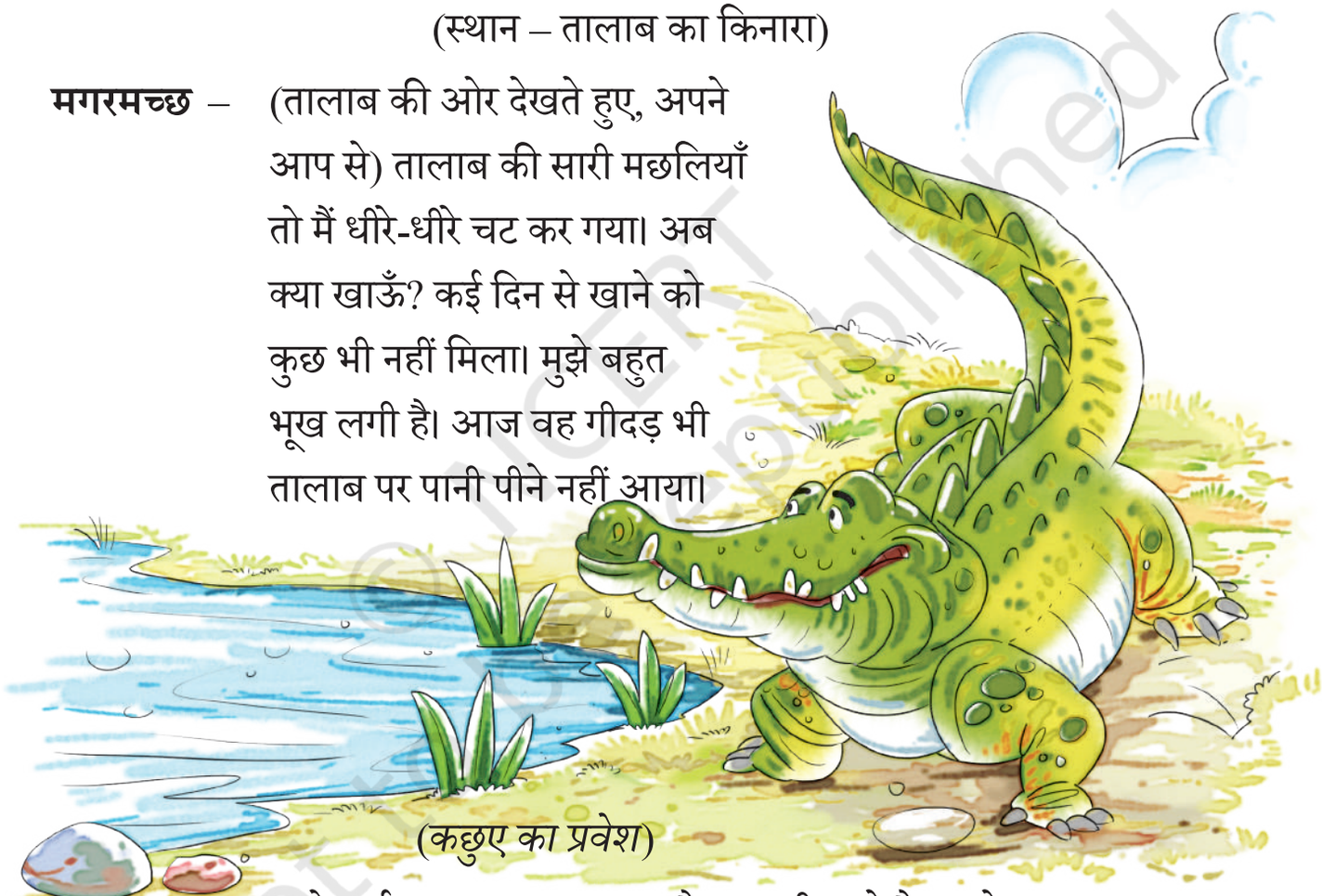

मगरमच्छ – (तालाब की ओर देखते हुए, अपने आप से) तालाब की सारी मछलियाँ तो मैं धीरे-धीरे चट कर गया। अब क्या खाऊँ? कई दिन से खाने को कुछ भी नहीं मिला। मुझे बहुत भूख लगी है। आज वह गीदड़ भी तालाब पर पानी पीने नहीं आया।

(कछुए का प्रवेश)

कछुआ – कहो भाई मगरमच्छ, क्या हाल है? सब ठीक तो है? इतने उदास क्यों हो?

मगरमच्छ – क्या बताऊँ मित्र। भूख के मारे मेरे प्राण निकल रहे हैं।

कछुआ – क्यों, क्या आज खाने के लिए मछलियाँ नहीं मिलीं?

© NCERT not to be republished

मगरमच्छ – मछलियाँ तो कब की समाप्त हो चुकीं। सोचा था कि गीदड़ मिलता तो आज का काम चलता। पर वह तो ऐसा चतुर है कि पकड़ में ही नहीं आता।

कछुआ – हाँ, गीदड़ को पकड़ना तो बहुत कठिन है।

मगरमच्छ – मित्र! कोई ऐसा उपाय करो कि वह पकड़ में आ जाए। उसे खाकर आज मैं अपनी भूख मिटा लूँगा। मैं तुम्हारा बहुत उपकार मानूँगा।

कछुआ – अच्छा! तुम कहते हो तो चला जाता हूँ। किसी तरह गीदड़ को इधर लाने का प्रयत्न करता हूँ। (कुछ सोचकर) लेकिन इसके पहले तुम एक काम करो। (कान में कुछ कहता है।)

मगरमच्छ – ठीक है, ठीक है। मैं ऐसा ही करूँगा।

(दूसरा दृश्य)

(एक ओर मगरमच्छ साँस रोके मरा हुआ सा पड़ा है और कछुआ पास खड़ा है।)

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 64 09-Apr-24 12:29:13 PM

कछुआ – (दूर से गीदड़ को आते हुए देखकर) हाय! अब मैं क्या करूँ! मेरे प्यारे मित्र को न जाने क्या हो गया! अचानक उसके प्राण निकल गए। अब तो मैं बिलकुल अकेला रह गया।

(गीदड़ का प्रवेश)

गीदड़ – क्या है भाई कछुए? क्यों रो रहे हो?

कछुआ – मेरा प्यारा मित्र मगरमच्छ स्वर्ग सिधार गया। अब दुनिया में मेरा कोई नहीं रहा।

गीदड़ – क्या कहा? मगरमच्छ मर गया? (अपने आप से) अब तो मैं निश्चिंत होकर तालाब का पानी पी सकता हूँ। उसके डर से मैं कई बार प्यासा ही रह जाता था।

कछुआ – क्या कहा, क्या कहा?

गीदड़ – नहीं, कुछ नहीं, कुछ नहीं, यह तो बड़े दुख की बात है। मैं तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ?

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 65 09-Apr-24 12:29:14 PM

कछुआ – आओ, उस पर कुछ सूखे पत्ते डालकर उसे ढाँप दें। देखो, मरा पड़ा है।

गीदड़ – (डरते-डरते कुछ पास जाकर, धीमे स्वर से) अरे, यह तो बिलकुल शांत है। नहीं, नहीं (ऊँचे स्वर में) यह तो साँस ले रहा है। भाई कछुए! क्या यह सचमुच मर गया है?

कछुआ – हाँ हाँ! देखते नहीं, यह मरा पड़ा है।

गीदड़ – पर भाई, मैंने तो सुना है कि मर जाने पर मगरमच्छ की पूँछ हिलती रहती है। लगता है, अभी यह पूरी तरह नहीं मरा।

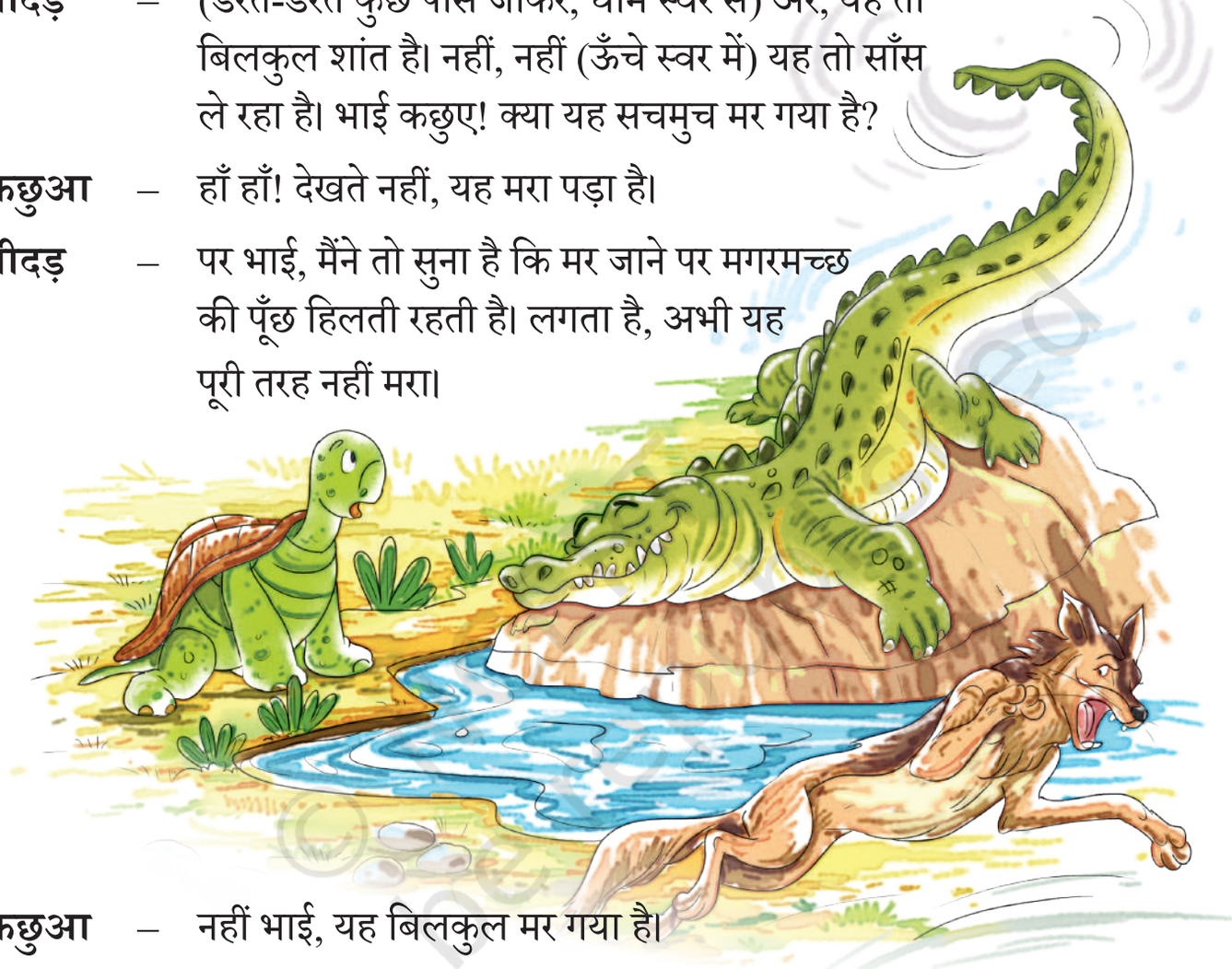

कछुआ – नहीं भाई, यह बिलकुल मर गया है।

(तभी मगरमच्छ अपनी पूँछ हिलाने लगता है।)

गीदड़ – (भागकर दूर जाते हुए) ओह! अपने मित्र को देखो, अपने मित्र को देखो।

कछुआ – (ऊँचे स्वर में) खोल दो आँखें। भाग गया गीदड़। तुम बिलकुल मूर्ख हो। तुम उस चतुर गीदड़ की चाल में आ ही गए। अब उसे पकड़ना कठिन है।

Unit 2 46 to 79.indd 66 09-Apr-24 12:29:15 PM

बातचीत के लिए

1. आपको भूख लगती है तो आपको कैसा लगता है?
2. अपने मित्र की सहायता आप किस-किस प्रकार से करते हैं?
3. कहानी का शीर्षक 'चतुर गीदड़' क्यों है?
4. आप इस कहानी को और क्या नाम देना चाहेंगे?
5. अपनी सूझ-बूझ का कोई अनुभव बताइए?

सोचिए और लिखिए

1. तालाब में मछलियाँ क्यों नहीं थीं?
2. कछुए ने क्या उपाय सोचा?
3. गीदड़ ने समझदारी कैसे दिखाई?
4. गीदड़ को मगरमच्छ की सच्चाई कैसे पता चली?

कहानी से

1. नीचे कहानी से जुड़े कुछ चित्र और बातें हैं। उनका आपस में मिलान कीजिए—

भूख के मारे प्राण निकलना

गीदड़ को लाने का प्रयत्न

डर के मारे प्यासा रह जाना

पूँछ हिलाना

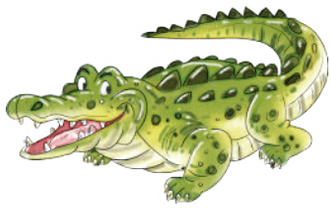

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 67 09-Apr-24 12:29:16 PM

भाषा की बात

1. कहानी में पशुओं के लिए तालाब ही पानी का स्रोत है। नीचे दी गई वर्ग पहेली से पानी के अन्य स्रोतों को ढूँढ़कर लिखिए—

ता	ल	ष	झ	थे	बा
ला	पा	न	र	मू	रि
ब	न	ह	ना	क	श
ते	दी	र	पो	ख	र
रि	ब	पी	ये	कु	आँ
बो	र	वे	ल	गा	था

पोखर ....

....

2. सही वाक्य बनाइए—

'दो मित्र कहीं जा रहे हैं।'

इस वाक्य में 'द' को 'क', 'म' को 'ग' और 'ह' को 'प' से बदल दिया गया।

इस तरह नया वाक्य बना —

'को गित्र कपीं जा रपे पैं।'

अब दिए गए वाक्य में 'ल' को 'ह' और 'स' को 'भ' से बदलकर नया वाक्य बनाइए।

मैं बलुत सूखा/सूखी लूँ।

सही वाक्य – .....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 68 09-Apr-24 12:29:17 PM

3. कहानी में आए शब्दों का प्रयोग करते हुए नए वाक्य बनाकर लिखिए—

कठिन	.....
प्रयत्न	.....
सहायता	.....
प्यारा	.....

4. एक मछली, अनेक मछलियाँ। नीचे दिए गए शब्दों के एक और अनेक रूप लिखिए—

	एक	अनेक	
	मछली	मछलियाँ	
	चूड़ी	.....	
	.....	मक्खियाँ	
	लड़की	.....	
	.....	टोपियाँ	
	ककड़ी	.....	

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 69 09-Apr-24 12:29:19 PM

पता कीजिए और लिखिए

इस कहानी में मगरमच्छ, गीदड़ और कछुए जैसे पात्र आपने देखे हैं। मगरमच्छ जल और थल दोनों पर ही रहता है जबकि गीदड़ केवल थल पर रहता है। आप इस तरह के और प्राणियों के नाम पता करके नीचे दी गई तालिका में लिखिए—

जल व थल पर रहने वाले जीव	थल पर रहने वाले जीव
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

मेरी सोच

यदि हम गीदड़ के स्थान पर होते तो क्या करते?

.....

.....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 70 09-Apr-24 12:29:21 PM

आप क्या सोचते हैं?

अगर मगरमच्छ पूँछ न हिलाता तो अनुमान लगाइए कि कहानी का क्या अंत होता?

.....

.....

.....

मेरी कलाकारी

1.

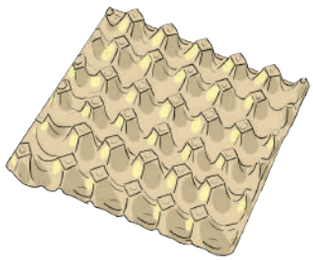

2.

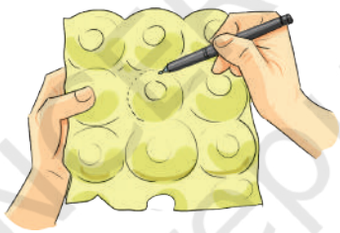

3.

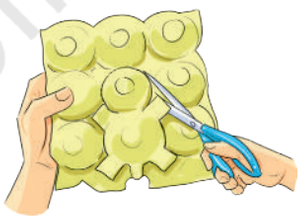

4.

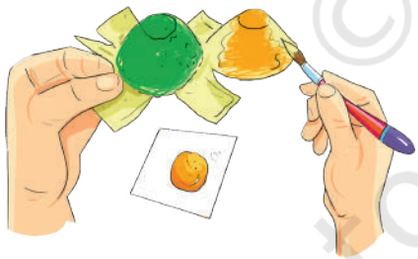

5.

6.

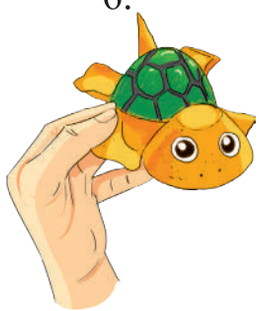

7.

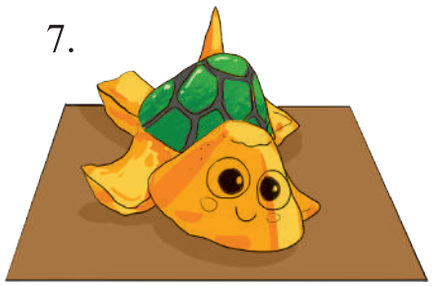

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 71 09-Apr-24 12:29:22 PM

ठहाके

हाथी – इस पृथ्वी पर मुझसे बलवान कोई जीव नहीं है।

चींटी – अच्छा! अगर इतने ही बलवान हो तो मेरे बिल में घुसकर दिखाओ।

लड़की (सहपाठी से) – वह कौन-सी कली है जो खिल नहीं सकती?

सहपाठी – आसान सी बात, छिपकली और क्या!

अमन हाथ से दाने फेंकने का अभिनय कर रहा था। तभी उसका मित्र आया।

मित्र – अमन! यह क्या कर रहे हो?

अमन – चिड़िया को दाने खिला रहा हूँ।

मित्र – पर तुम्हारे हाथ में दाने तो हैं नहीं?

अमन – तो यहाँ चिड़िया भी तो नहीं है।

अध्यापक – ममता, 15 फलों के नाम बताओ।

ममता – आम, संतरा, अमरूद और एक दर्जन केले।

पूनम (सहपाठी से) – मैंने एक ऐसी चीज बनाई है, जिससे हम दीवार के आर-पार देख सकते हैं।

सहपाठी – अरे वाह! क्या है वह चीज?

पूनम – छेद।

© NCERT not to be republished

७ प्रकृति पर्व — फूलदेई

0331CH09

मिलकर पढ़िए

जानकी बहुत ही प्रसन्न थी। कल वह अपने सभी मित्रों के साथ फूलदेई पर्व के लिए जाएगी। अगले दिन उसकी इजा (माँ) ने उसे सुबह-सुबह उठा दिया। नहा-धोकर अपनी छोटी डलिया हाथ में लिए फूल चुनने के लिए वह निकल गई। आँगन में पहुँचते ही उसने हेमा, गीता, राधा, बीर, गोविंद और मनोज को पुकारा। सब हाथ में छोटी-छोटी डलिया लेकर जंगल की ओर निकल पड़े।

फूलदेई उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह त्योहार बच्चों द्वारा मनाया जाता है, इसलिए इसे 'बाल पर्व' भी कहा जाता है। यह चैत्र मास की संक्रांति के दिन मनाया जाता है। चैत्र माह हिंदू

© NCERT not to be republished

नववर्ष का पहला महीना होता है। फूलदेई वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। चैत्र ऋतु आते ही ऊँची-ऊँची पहाड़ियों से बर्फ पिघलने लगती है। सर्दियों के ठंडे दिन बीत जाते हैं। उत्तराखंड के सुंदर पहाड़ फूलों से लद जाते हैं। जानकी और उसके मित्रों ने बुरांस, फ्योंली और कई प्रकार के फूल अपनी छोटी-छोटी डलियों में इकट्ठे कर लिए। अब यह टोली जिसे 'फुलारी' कहा जाता है, हर घर के मुख्य द्वार की देहली पर रुकती, अक्षत और फूल डालती और गाती जाती—

"फूल देई, छम्मा देई,
दैणी द्वार, भर भकार
ये देली कैं बारंबार नमस्कार
फूले द्वार..."

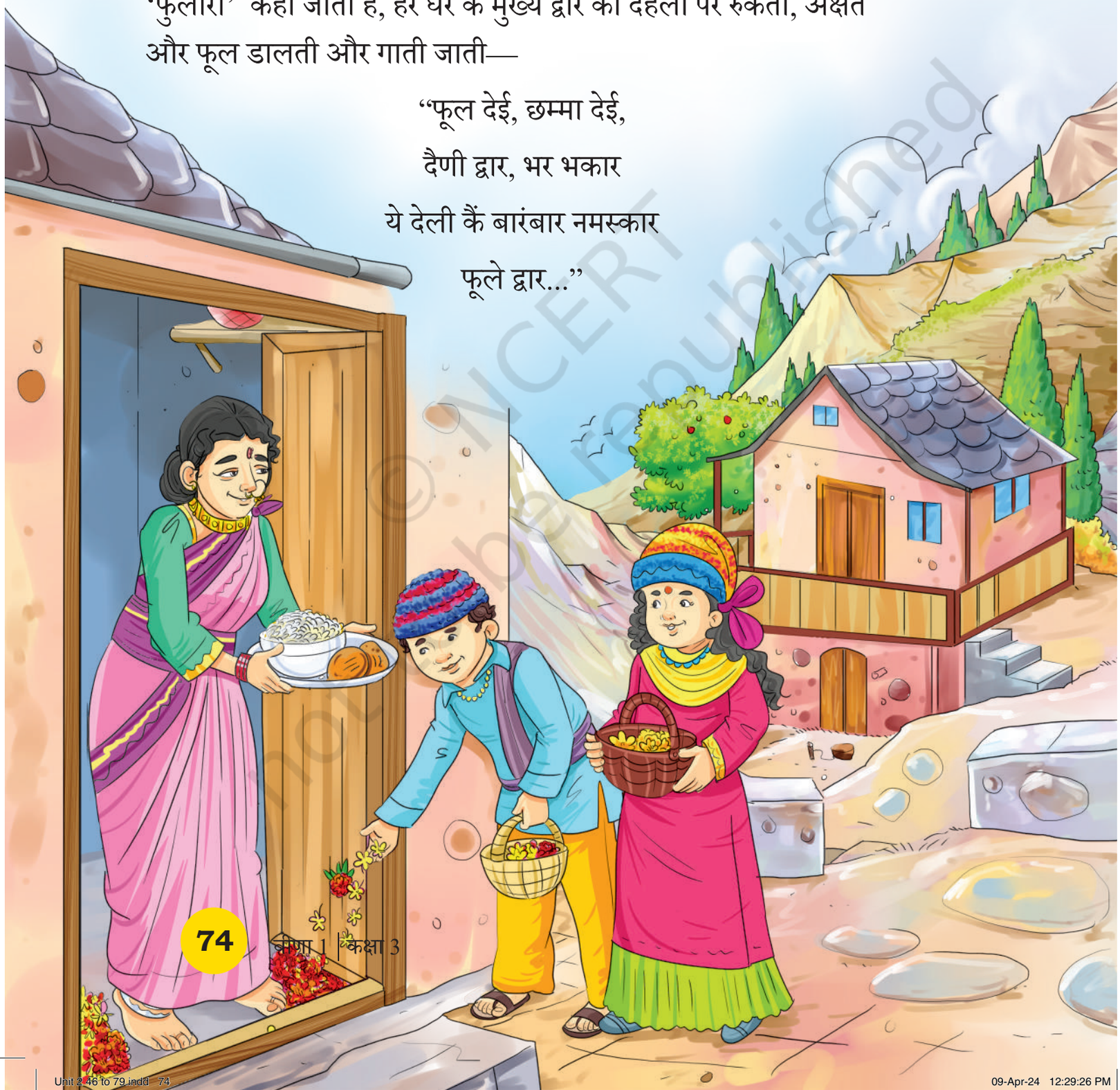

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 74 09-Apr-24 12:29:26 PM

इसका अर्थ है, आपकी देहली फूलों से भरी रहे। मंगलकारी हो। सबको क्षमा प्रदान करें। सबकी रक्षा करें। देहली और घर में समृद्धि बनी रहे। सबके घरों में अन्न के भंडार भरे रहें।

सभी घरों में 'फुलारी' के आने की तैयारी की जाती है। घरों को पूर्णत: स्वच्छ करके देहली को गोबर-मिट्टी से लीपकर तैयार किया जाता है। 'फुलारी' जब गाकर अपना आशीर्वाद देते हैं तो हर घर से उन्हें चावल, गुड़ और भेंट के रूप में पैसे दिए जाते हैं। जानकी और सभी मित्र दिनभर देहली पूजकर बहुत थक गए थे पर वे बहुत प्रसन्न थे।

इस तरह फूलदेई का त्योहार उत्तराखंड के अलग-अलग क्षेत्रों में आठ दिनों से लेकर महीनेभर तक चलता है। बच्चों द्वारा एकत्रित किए गए चावल और गुड़ को मिलाकर बच्चों के लिए हलवा, छोई या साई व पापड़ी जैसे अन्य स्थानीय व्यंजन बनाए जाते हैं। व्यंजन बनाने के लिए जमा पैसों से घी या तेल खरीदा जाता है। व्यंजन को सब एकत्रित होकर और मिलकर खाते हैं।

फूलदेई बच्चों को प्रकृति प्रेम और सामाजिक सद्भाव की सीख बचपन से ही देने का पर्व है। यह त्योहार लोकगीतों, मान्यताओं और परंपराओं से जुड़ने का एक अच्छा अवसर प्रदान करता है। यह प्रकृति तथा संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा भी देता है।

बातचीत के लिए

1. त्योहार क्यों मनाए जाते हैं?
2. आपका प्रिय त्योहार कौन-सा है?
3. आप अपना प्रिय त्योहार कैसे मनाते हैं?
4. वसंत ऋतु के आगमन पर भारत में मनाए जाने वाले त्योहार कौन-कौन से हैं?
5. उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र में माँ को इजा कहकर पुकारते हैं। आप अपनी माँ को क्या कहकर पुकारते हैं?

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 75 09-Apr-24 12:29:26 PM

सोचिए और लिखिए

1. फुलारी किसे कहते हैं?
2. फुलारी को मिले चावल और गुड़ से क्या-क्या बनाया जाता है?
3. फूलदेई को बाल पर्व क्यों कहा जाता है?
4. फूलदेई पर्व बच्चों को प्रकृति से कैसे जोड़ता है?

भाषा की बात

ऊपर दिए गए चित्र में शिक्षक पूजा से प्रश्न पूछ रहे हैं। पूजा उत्तर देते हुए अपने और अपने मित्रों के बारे में बता रही है। इन दोनों उदाहरणों में पूर्ण विराम (।) अल्प विराम (,) और प्रश्नवाचक चिह्न (?) का प्रयोग किया गया है।

नीचे दिए गए वाक्यों में इन विराम चिह्नों का उपयोग कर वाक्य ठीक कीजिए—

गरिमा को फल खाना बहुत पसंद है वह अपने मित्र गौरव दीपक ममता और नवजोत को भी फल खाने की सलाह देती है क्या आपको भी फल खाना पसंद है

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 76 09-Apr-24 12:29:28 PM

पता कीजिए

1. फूलदेई वसंत ऋतु (मार्च-अप्रैल) में मनाया जाने वाला त्योहार है। ऐसे ही शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) और हेमंत ऋतु (नवंबर-दिसंबर) में मनाए जाने वाले त्योहारों की जानकारी खोजिए और लिखिए—

हमारे अवकाश

2. आपके विद्यालय में मिलने वाले अवकाशों की जानकारी प्राप्त कीजिए और ऋतुओं के आधार पर नीचे दी गई तालिका में लिखिए—

अवकाश	कब से कब तक	कितने दिनों तक
ग्रीष्मकालीन अवकाश	.....	.....
शरदकालीन अवकाश	.....	.....
शीतकालीन अवकाश	.....	.....

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 77 09-Apr-24 12:29:28 PM

आइए, अपना घर सजाएँ

3. फूलदेई के दिन घरों को स्वच्छ करके मुख्य द्वार की देहली को गोबर-मिट्टी से लीपकर तैयार किया जाता है। आप अपने घर को त्योहारों के लिए सजाने हेतु किन-किन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं?

....

....

....

मेरी कलाकारी

1. फूल, आम और अशोक के पत्तों से या अन्य किसी भी वस्तु के उपयोग से सुंदर तोरण बनाइए—

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 78 16-Apr-24 3:28:00 PM

कल्पना कीजिए

1. मधुरानी एक दिन उद्यान में गई। वह बहुत प्रसन्न थी। वहाँ उसे मिली सूरजमुखी बहन और सूरज मामा। सोचकर लिखिए, वे तीनों आपस में क्या बातचीत कर रहे होंगे?

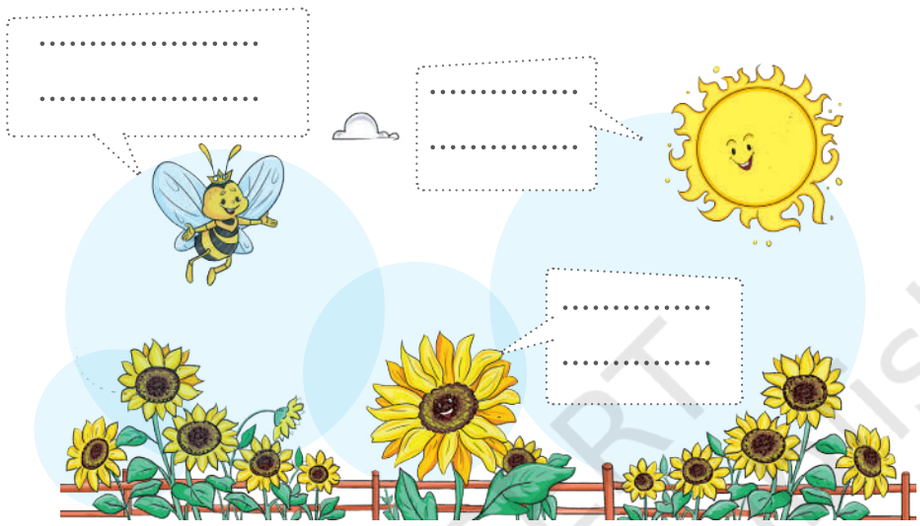

आइए जानें

बुरांस के फूल लाल रंग के होते हैं जो गरमी के मौसम में आते हैं। ये देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। इनका उपयोग दवाई बनाने के लिए किया जाता है। यह हिमालयी राज्यों में बड़ी संख्या में पाया जाने वाला वृक्ष है।

फ्योंली के फूल वसंत के आगमन की सूचना देते हैं। पीले रंग के होने के कारण इनका नाम फ्योंली रखा गया है। ये पहाड़ों की सुंदरता के प्रतीक हैं। ये भी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं।

© NCERT not to be republished

Unit 2 46 to 79.indd 79 09-Apr-24 12:29:30 PM

(पढ़ने के लिए)

सुनो भई गप्प

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

चींटी चली बजार को,
नौ मन मल के तेल,
ईंटें दो बगल में ले लीं,
सिर पर धर ली रेल।
सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

गधा चढ़ा खजूर पर,
खाने को अंगूर,
पीठ पे उसके नाच रहे थे,
पाँच-पाँच लंगूर।
सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

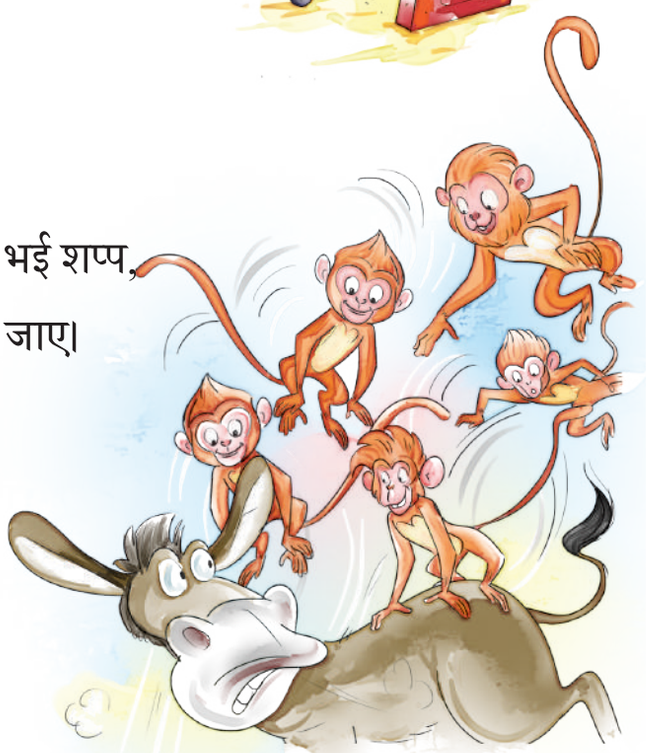

© NCERT not to be republished

हाथी ढम-ढम ढोल बजाए,
ऊँट खाट पर सोए,
बिल्ली सबकी रोटी सेके,
घोड़ा कपड़े धोए।

सुनो भई गप्प, सुनो भई शप्प,
नाव में नदिया डूबी जाए।

– अज्ञात

(मालती देवी द्वारा संशोधित एवं परिवर्धित)

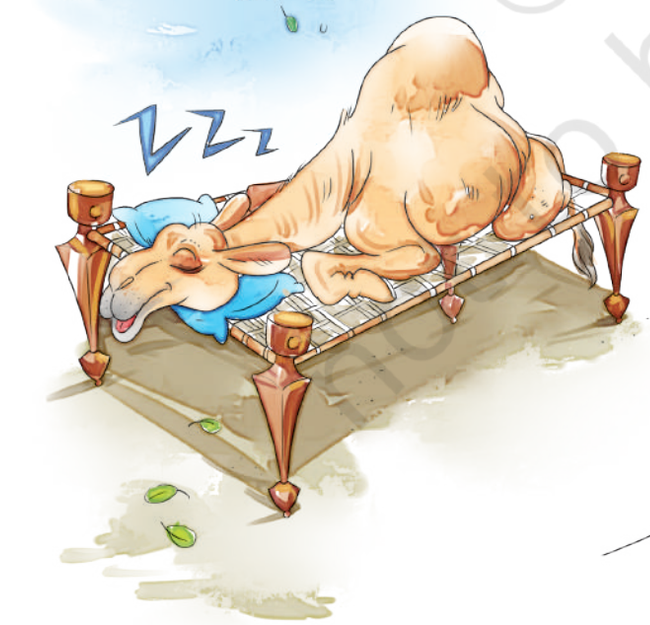

© NCERT not to be republished

Unit 3 80 to 99.indd 81 09-Apr-24 12:32:04 PM